प्रादेशिक समाचार
आकाशवाणी जयपुर–अजमेर

दिनांकः 27.12.2024 समय : 09:00 ए.एम.

.....

- पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का निधन। देश में सात दिन का राजकीय शोक घोषित।
- राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री सहित वरिष्ठ नेताओं और देश–प्रदेश की हस्तियों ने जताया गहरा दुख।
- प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए उच्चस्तरीय बैठक आयोजित–मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने ब्लेक स्पॉट चिन्हित करने और सिक्स–ई फार्मुला लागू करने के निर्देश दिए।
- पश्चिमी विक्षोभ के असर से राज्य में कई स्थानों पर मावठ– आज भी बारिश की संभावना।

.....

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का कल नई दिल्ली में निधन हो गया। वे 92 वर्ष के थे। लम्बे समय से बीमार चल रहे डॉ. सिंह की कल शाम तबियत खराब होने पर उन्हें एम्स के आपातकालीन वार्ड में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों के तमाम प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। एम्स बुलेटिन के अनुसार उन्हें रात नौ बजकर इक्यावन मिनट पर मृत घोषित कर दिया गया। दुनिया के प्रमुख अर्थशास्त्री रहे मनमोहन सिंह के परिवार में पत्नी गुरुशरण कौर और तीन बेटियां हैं।

केन्द्र सरकार ने डॉ. सिंह के निधन पर सात दिन का राजकीय शोक घोषित किया है। इस दौरान राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके रहेंगे और कोई भी सरकारी कार्यक्रम आयोजित नहीं होंगे। इस बीच पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धाजंलि देने के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल की आज विशेष बैठक बुलाई गई है। डॉ. सिंह का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया है। अपने संदेश में राष्ट्रपति ने कहा कि डॉ. सिंह उन असाधारण राजनेताओं में से एक थे, जिन्होंने शिक्षा और प्रशासन की दुनिया में समान रूप से सहजता से काम किया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपने संदेश में पूर्व प्रधानमंत्री को एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री बताया, जिन्होंने भारत के आर्थिक परिदृश्य को बदल दिया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि भारत अपने सबसे प्रतिष्ठित नेताओं में शामिल श्री सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करता है। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह एक साधारण पृष्ठभूमि से उठकर एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री बने। उन्होंने संसद में डॉ. सिंह के व्यावहारिक हस्तक्षेप और प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के उनके व्यापक प्रयासों की भी सराहना की। गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित सभी वरिष्ठ नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए उनके राष्ट्र विकास में योगदान को याद किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी के वरिष्ठ नेता रहे मनमोहन सिंह के निधन पर कहा, भारत ने एक दूरदर्शी राजनेता, एक बेदाग छवि वाले ईमानदार नेता और अद्वितीय कद का अर्थशास्त्री खो दिया है। वहीं अपने संदेश में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि डॉ. सिंह की विनम्रता और अर्थशास्त्र की गहरी समझ ने पूरे देश को प्रेरित किया। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित राज्यमंत्रिमंडल के सभी सदस्यों ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ. सिंह का निधन देश के लिए अपूरणीय क्षति है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट सहित पार्टी के सभी नेताओं ने भी पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

गौरतलब है कि दुनिया के प्रमुख अर्थशास्त्री में शुमार रहे मनमोहन सिंह पी.वी. नरसिम्हा राव के मंत्रिमंडल में वित्त मंत्री थे। उन्हें 1991 में शुरू हुए आर्थिक उदारीकरण के दौर का प्रणेता माना जाता है। वे कांग्रेस नेतृत्व वाली यू.पी.ए. सरकार में 2004 से 2014 तक दो बार प्रधानमंत्री रहे। वे

भारत के तेरहवें प्रधानमंत्री थे। वे राज्यसभा के 33 साल तक सदस्य रहने के बाद इस साल अप्रैल में संसद के उच्च सदन से सेवानिवृत्त हुए थे। उनका राजस्थान से भी गहरा सम्बन्ध रहा है।

.....

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने राज्य में सडक हादसो में कमी लाने और सडक सुरक्षा को लेकर अधिकारियों की बैठक ली। मुख्यमंत्री ने ब्लेक स्पॉट चिन्हित करने और सड़क दुर्घटनों पर नियंत्रण के लिए सिक्स–ई फार्मुला लागू करने को कहा। सिक्स–ई फार्मूले में एज्यूकेशन, इंजीनियरिंग, एन्फोर्समेंट, इमरजेंसी, इवेल्यूएशन, और एन्गेजमेंट घटक शामिल है। इधर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने भी प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग को विशेष अभियान चलाकर आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। विभागीय समीक्षा बैठक में उप मुख्यमंत्री ने दुर्घटना सम्भावित क्षेत्रों में सड़कों की मरम्मत करने, अतिक्रमण हटाने, स्पीड ब्रेकर ठीक करवाने और जेबरा क्रोसिंग सहित अन्य सुविधाओं और सुरक्षा मानको को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को नियमित फील्ड विजिट कर सडको की गुणवत्ता जांचने को कहा। दीया कुमारी ने हर सात दिन के अंतराल पर अपनी निरीक्षण रिपोर्ट सरकार को सौंपने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने बजट घोषणाओं को समय पर पूरा करने और डीपीआर निर्माण का कार्य सेन्ट्रलाइज्ड करने के भी निर्देश दिए है। इस बीच सरकार ने बारिश से क्षतिग्रस्त हुई प्रदेश की सड़को की मरम्मत के लिए करीब 965 करोड़ रूप्ये की वित्तीय राशि जारी कर दी है। इस राशि से क्षतिग्रस्त 2 हजार 300 कार्यों की स्थायी मरम्मत करवाई जायेगी। वहीं सड़क और पुलों की मरम्मत भी करवाई जायेगी।

.....

देशभर में कल से "सुपोषित ग्राम पंचायत" अभियान का शुभारंभ हुआ। इसका उद्देश्य हितधारकों और जमीनी स्तर पर सक्रिय सामुदायिक भागीदारी के साथ लक्षित आबादी के पोषण संबंधी परिणामों और कल्याण में सुधार करना है। अभियान के तहत देश में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली 1000 सुपोषित ग्राम पंचायतों को एक–एक लाख का पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अलावा, सर्वाधिक सुपोषित ग्राम पंचायतों वाले शीर्ष 3 जिलों को भी मान्यता दी जाएगी।अभियान का राज्यस्तरीय कार्यक्रम जयपुर में ओटीएस सभागार में आयोजित किया गया, जहां उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी भी शामिल हुई। कार्यक्रम में पूरे प्रदेश से महिला और बाल विकास विभाग के जिला और ब्लॉक स्तर के सभी अधिकारी, डीपीओ, सीडीपीओ, पर्यवेक्षक और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं तथा सहायिकाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास शासन सचिव महेन्द्र सोनी ने बताया कि भारत सरकार का प्रमुख मिशन सक्षम आंगनबाड़ी और पोषण 2.0 भारत में कुपोषण की चुनौती से निपटने में जन भागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका पर केंद्रित है।

.....

प्रदेश में नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से कल रात कई स्थानों पर हुई मावठ से सर्दी का असर और बढ गया है। मौसम विभाग के अनुसार कल से सक्रिय हुए इस तंत्र का सर्वाधिक असर आज रहने के आसार है। तंत्र के प्रभाव से दक्षिणी और पूर्वी जिलों में मेघगर्जन, बारिश व कहीं–कहीं ओलावृष्टि होने की संभावना है। मौसम केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि 29 दिसंबर से मौसम फिर शुष्क हो जायेगा। इस दौरान कहीं–कहीं घना कोहरा छाए रहने और फिर तापमान में गिरावट होने की संभावना है।

.....

अलवर संसदीय क्षेत्र में कल से सांसद खेल उत्सव की शुरूआत हुई। केंद्रीय पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन मंत्री और अलवर श्री भूपेंद्र यादव ने इसका शुभारम्भ किया। बहरोड़, नीमराणा और भिवाडी के विभिन्न स्कूलों में आयोजित इस खेल उत्सव में संसदीय क्षेत्र से खेल प्रतिभाओं को सामने लाने के प्रयास किये जायेंगे। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री संजय शर्मा भी मौजूद रहे। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि खेल शारीरिक स्वास्थ्य के साथ–साथ मानसिक स्वास्थ्य को भी मजबूती प्रदान करते हैं। सांसद यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी के आह्वान पर खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिये ये खेल उत्सव आयोजित किया जा रहा है।
इस दौरान जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर स्थानीय विधायक और जनप्रतिनिधियों के साथ बडी संख्या में युवा और आमजन भी मौजूद रहे।

.....